भागवत कथा - 16

पार्बती मण्डल

यह भागवत की कहानी सिर्फ एक प्रांत से सीमित नहीं है बल्कि पूरे विश्व के कोने-2 से परमात्मा की ज्ञान-मुरलियों की धुन से आकर्षित होकर कन्याएँ खुद ही अपनी भागवत की कहानियाँ लिख रही हैं।

The story of Bhagawat is not confined to from a single area; the girls; virgins from even the corners of the universe get attracted; drawn towards the tunes of Muralis of knowledge set out to write their own stories of Bhagawat.

यह देहभान को लुटाने वाला व आत्मभान को बढ़ाने वाला ज्ञान ही कलकत्ता की 24 साल की कन्या पार्बती मण्डल को आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की ओर खींच कर ले आया।

The knowledge which elates the soul consciousness by putting an end to body consciousness itself has drawn the girl Parbati Mandal , aged 24 years towards Adhyatmik Vishwa Vidyalaya.

पार्बती की माँ विशाखा मण्डल, भाई प्रबास मण्डल, मामा नवन मण्डल, मामी जसोदा मण्डल पार्बती की इच्छा के विरुद्ध ज़ोर-जबरदस्ती उसकी शादी करना चाहते थे। लेकिन पार्बती की दूसरी मामी काजोल मण्डल ने पार्बती को जो आध्यात्मिक मार्ग दिखाया था, उसमें पार्बती की रुचि दिन-प्रतिदिन बढ़ने लगी थी, इसलिए पार्बती ने आखरीन निर्णय ले लिया कि वह शादी न करके आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में आध्यात्मिक शिक्षा के अध्ययन-अध्यापन में अपना जीवन व्यतीत करेगी।

The mother of Parbati, Vishakha Mandal, brother Prabas Mandal, uncle Navan Mandal, aunt jashoda Mandal wished to arrange marriage for Parbati by force and against her will. Fortunately, the way towards the spiritual line shown by her another aunt Kajol Mandal has inspired Parbati in higher spirits day by day; hence Parbati has finally came to an undeterred decision that she remain virgin keeping herself away from the traditional marriage and lead a pure life in learning and teaching the spiritual knowledge emanating from Adhyatmik Vishwa Vidyalaya.

दिनांक 29.04.2015 को पार्बती ने अपनी इच्छा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, विजयविहार, दिल्ली में दाखिल होने जाने की सूचना ऑफिस इन्चार्ज, बिधान नगर नॉर्थ पुलिस स्टेशन, कोलकाता व डी.सी.पी., बिधान नगर, कोलकाता को पोस्ट के जरिये दे दी थी और दिनांक 2.5.2015 को पार्बती ने अपनी

स्वेच्छा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, दिल्ली दाखिल होने का शपथ पत्र विद्यालय में सौंपकर दाखिला ले लिया।

Parbati, advancing her step towards the spiritual knowledge has addressed the Officer-in-charge, Vidhan Nagar North Police Station, Calcutta and D.C.P , Vidhan Nagar, Calcutta, as to her joining with the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, Vijaya Vihar, Delhi; by registered post on 29-04-2015. And on 02-05-2015, she has executed an affidavit to the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya at Delhi as per her wish and will.

पार्बती के इस निर्णय से पार्बती की माँ व अन्य रिश्तेदार बौखला गए व उन्होंने दिनांक 21.05.2015 को धारा 365 IPC के तहत काजोल मण्डल द्वारा पार्बती को अपहरण किए जाने का F.I.R. बिधान नगर नॉर्थ पुलिस थाने में दर्ज किया।

Having fumed by the decision of Parbati, the mother and other relatives of Parbati have lodged an F.I.R under 365 IPC with Vidhan Nagar North Police on 21-05-2015 alleging that Parbati was kidnapped by Kajol Mandal.

पार्बती का पुलिस को पोस्ट से भेजा हुआ लेटर दिनांक 2.05.2015 को 1:20 PM को ही प्राप्त हो चुका था; लेकिन उसके बावजूद पुलिस ने लापरवाही बरतते हुए शाम को 5 बजे काजोल मण्डल द्वारा पार्बती के अपहरण की झूठी F.I.R. दर्ज की।

Apparently, the letter dated 29-04-2015 referred above was delivered and received by the Police on 02-05-2015 at 1.20 PM. Despite; the Police has registered the concocted F.I.R at 5 PM on 21st May 2015 wherein the false charges of kidnap of Parbati are framed against her aunt Kajol Mandal.

दिनांक 27.05.2015 को बिधान नगर पुलिस द्वारा आध्यात्मिक विश्वविद्यालय को एक लिखित संदेश भेजा गया जिसमें पार्बती मण्डल को बिधान नगर नॉर्थ पुलिस थाने या बिधान नगर कोर्ट में उसके बयान दर्ज कराने हेतु हाजिर करने के लिए सूचित किया गया।

On 27-05-2015, a message has been sent to Adhyatmik Vishwa Vidyalaya wherein Parbati Mandal was called for to be present before the Police Station, Vidhan Nagar North or in the court at Vidhan Nagar to get her statement registered.

पार्बती मण्डल को यह डर था कि कहीं उसकी माँ व अन्य रिश्तेदार उसे पुलिस थाने के बाहर या कोर्ट के बाहर ही गुंडों को लेकर ज़ोर-जबरदस्ती अपने घर वापस ले जा सकते हैं या तो जान से भी मार सकते हैं।

Parbati Mandal has her own fears that her mother and other relatives may stay out of the Police station or court along with goons and forcibly grab her in their attempt to take her back home or even kill her.

उक्त डर को बयाँ करते हुए पार्बती ने 04.06.2015 को बिधान नगर नॉर्थ पुलिस थाने के इंस्पेक्टर इंचार्ज से यह आग्रह किया कि वे खुद किसी पुलिस ऑफिसर को दिल्ली भेज उसके बयान रोहिणी कोर्ट के metropolitan magistrate के सामने दर्ज करावें।

Expressing her fears, Parbati has requested the Inspector in charge of Vidhan Nagar Police Station to send any Police Officer to Delhi and get her statement registered at the court of Metropolitan Magistrate.

लेकिन उसके बावजूद कोई भी पुलिस अधिकारी ने दिल्ली आकर पार्बती के बयान मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज नहीं कराए। जिस कारण पुलिस द्वारा अरेस्ट किए जाने के डर से अपने पति व बच्चों को छोड़कर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की सदस्या काजोल मण्डल को यहाँ-वहाँ छुपना पड़ा।

Despite; the Police Officials did not come forward to accede to her request. And for the fear of arrest the aunt of Parbati, Kajol Mandal who is simultaneously a member of Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya, had to inevitably hide here and there leaving her husband and children for some time.

काजोल मण्डल के ऊपर लगाए गए झूठे कलंकों को मूलतः मिटाने के लिए पार्बती मण्डल व काजोल मण्डल ने जुलाई, 2015 में कलकत्ता हाई कोर्ट के सामने Cr.P.C. की धारा 482 के अंतर्गत क्रिमिनल रिविजन केस (C.R.R. No. 2077/2015) दाखिल किया और न्यायालय से बिधान नगर नॉर्थ पुलिस स्टेशन में दर्ज F.I.R. (केस नं. 6/15 दिनांक 02.05.2015) को खारिज करने के लिए गुहार लगाई। उक्त केस को सुनकर माननीय न्यायालय ने केस को स्वीकार कर प्रतिपक्ष को नोटिस जारी कर दिया।

In order to un-root and wipe out the false allegations framed against her aunt Kajol Mandal, Parbati and Kajol Mandal has filed a Criminal Revision Petition (C.R.R. 2077 / 2015) in the Calcutta High Court under Crpc. 482 with request to quash the proceedings framed in the F.I.R (Case No. 6/15 dated 02-05-2015). The honorable High Court has accepted the petition and a notice has been served on the opposite party.

यहाँ पार्बती की माँ व अन्य रिश्तेदारों ने नागरिक मंच, महिला समिति जैसी सामाजिक संस्थाओं से मिलकर कोलकाता स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के बारे में झूठी अफवाहें फैलाते हुए, पर्चे वितरित

करते हुए, आध्यात्मिक विश्वविद्यालय व उसके सदस्यों की बदनामी करना प्रारम्भ कर दिया, जिससे समाज के लोग आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के खिलाफ भड़क उठे

In the meantime, the mother of Parbati and other relatives have in hands with some Women societies started defaming the Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya and its members by spreading rumors ; distributing pamphlets in vulgar and abusive language whereby the general public have reacted heavily against Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya.

और सही तथ्यों की जाँच-पड़ताल किए बगैर पार्बती की माँ, अन्य रिश्तेदार असामाजिक तत्वों को साथ लेकर कोलकाता स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय को बर्बाद करने की धमकियाँ देने लगे और यह नारेबाजी करने लगे कि आध्यात्मिक विश्वविद्यालय व उसके सदस्य लड़कियों को बेचते हैं और पार्बती मण्डल को भी आध्यात्मिक विश्वविद्यालय ने बेच दिया है।

And even without even applying mind what could be the truth; the mother of Parbati and other relatives in hands with the evil elements started threatening and raised slogans that the Adhyatmik Ishwariya Vishwa Vidyalaya and its members sell the girls and the "AVV" has sold out Parbati also.

इसी प्रकार की बातें पर्चों में भी छापी गईं जिन्हें पढ़कर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सदस्यों की धार्मिक भावना को ठेस पहुँची और विद्यालय की छवि को जनमानस में बदनाम किया गया।

They have distributed printed pamphlets with such type of allegations against Adhyatmik Vishwa Vidyalaya and the reputations religious feelings and norms of the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya and its members were deeply aspersed in the eyes of public.

जिस कारण आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की प्रणति माता, चन्द्र माता, रूपा माता, अपर्णा माता, रुचि बहन व मुनि बहन द्वारा दिनांक 27.06.2015 को विशाखा मण्डल व उसके अन्य सहयोगी व अन्य असामाजिक तत्वों के विरुद्ध Executive magistrate, Bidhan nagar, DCP, Bidhan Nagar o Commissioner of Police, Bidhan Nagar, Kolkata को शिकायत पत्र भेजे गए।

In result, the "AVV family" members Pranati Mata, Chandra Mata, Roopa Mata, Arpana Mata, Ruchi bahan and Muni bahan have complained about the harm caused by Vishakha Mandal, her other associates as well the other evil elements before the Executive magistrate, Bidhan nagar, DCP, Bidhan Nagar o Commissioner of Police, Bidhan Nagar, Kolkata.

उसके बावजूद पुलिस ने विशाखा मण्डल व अन्य असामाजिक तत्वों के ऊपर कानूनी कार्यवाही नहीं की। जिस कारण विशाखा मण्डल व उसके अन्य असामाजिक तत्वों ने विद्यालय के परिसर में और ही हुड़दंग मचाना चालू कर दिया और विद्यालय के सदस्यों का उत्पीड़न जारी रखा। जिससे व्यथित होकर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के 17 सदस्यों ने विशाखा मण्डल व उसके सहयोगी असामाजिक तत्वों के विरुद्ध दिनांक 09.07.2015 को इंस्पेक्टर इंचार्ज बिधान नगर पुलिस थाना, डी.सी.पी., बिधान नगर को शिकायत पत्र भेजे।

Despite, no action has been initiated by the Police against Vishakha Mandal and other anti-social elements and as such, Vishakha Mandal and her following anti-social elements started to create havoc at the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya and harassed the spiritual family members of the Vidyalaya. Having suffered 17 members who are accustomed to peaceful living have sent letters of complaints against Vishakha Mandal and her associates to Inspector in charge, Vidhan Nagar Police Station and D.C.P, Vidhan Nagar .

बात इस हद तक पहुँची कि असामाजिक तत्वों ने व कुछ सामाजिक संस्थाओं ने पुलिस प्रशासन व महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय के ऊपर दबाव बनाकर कोलकाता स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में अवैध रूप से प्रचंड पुलिस फोर्स के साथ दिनांक 19.07.2015 को छापा मरवाया। इतनी पुलिस फोर्स देखकर आम जनता और ही आमादा हो गई।

The situation has reached to such a climax that the anti-social elements in hands with some other miscellaneous organizations had pressurized the women and child welfare ministry and a search was enforced by heavy Police force on 19-07-015 in the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya , Calcutta. The general public having seen the heavy police force has still turned violent.

दिनांक 19.07.2015 को जब लगभग 180 भाई-बहनें आध्यात्मिक संगठन हेतु सॉल्टलेक स्थित सेवाकेन्द्र में इकट्ठा हुए थे तब लगभग 10 बजे अचानक 30-40 पुलिस कर्मी, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अरविन्द दास गुप्ता व डोलादे मित्रा ज़ोर-जबरदस्ती, कोई औपचारिक पूछताछ किए बगैर, कन्याओं-माताओं के कमरे में घुस गए और उन सबने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की महिला सदस्यों के साथ मार-पिटाई, गाली-गलौज व दुर्व्यवहार करना चालू कर दिया।

When around 180 brothers, sisters and mothers were participating in the regular gathering of yoga and churning of knowledge at the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya , Calcutta, at 10 AM on 19-07-2015, Aravind Das Gupta the Chairman of Child welfare committee along with Doladhe Mitra have intruded by force into the rooms

of sisters and mothers along with a battalion of 30-40 members of Police force without any prior intimation or any formal enquiry and started thrashing, beating the sisters and mothers using abusive language and acted beyond human limitations.

पुलिस और Child welfare committee (CWC) के चेयरमैन के पास कोई भी नोटिस अथवा सर्च वॉरंट नहीं था, पुलिस की वर्दी के ऊपर बैज भी नहीं थे और पुलिस ने अपनी पहचान बताने से मना कर दिया।

There was no notice or any type of search warrant with either the police or with the Chairman of the Child welfare committee (CWC). There were not even badges of identity on the uniform of the Police and the Police refused to reveal their identity.

कुछ महिला पुलिस व Child Welfare committee (CWC) के सदस्यों ने विद्या बहन, मुनमुन बहन, सुप्रीता बहन, मनीषा बहन, सीता बहन, रुचि बहन, रस्मिता बहन के बाल पकड़कर घसीटा व गाली-गलौज कर उनका उत्पीड़न किया।

Some women police and the members of Child Welfare committee (CWC) had caught hold of the hair of Vidya Bahan, Munmun Bahan, Suprita Bahan, Manisha Bahan, Seeta Bahan, Ruchi Bahan and Rasmita Bahan and harassed them with abusive language and indecent approach.

पुलिस कर्मियों ने व CWC के अध्यक्ष व सदस्यों ने यह भी धमकाया कि वे आध्यात्मिक विश्वविद्यालय को बर्बाद कर देंगे और आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सदस्यों को झूठे केसेस में फँसाकर जेल में डलवा देंगे।

The Police staff and the Chairman of the CWC and their other members had threatened that they will completely eradicate and implicate the members of the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya in false cases and put them in Jail.

उक्त घटना में कविता माता, शक्ति माता, उर्मिला माता, दीपा माता, गीता माता, मनिमाला माता, काकोली माता, दुर्गा माता, अंजलि माता, रुम्पा माता, ज्योत्सना माता, सोनाली माता, भारती माता, दीपाली माता, माधवी माता, सुमित्रा माता, मिनती माता, सुपर्णा माता और अपर्णा माता को चोटें आई।

During the havoc created by the police and other miscreants, Kavita Mata, Shakti Mata, Urmila Mata, Deepa Mata, Geeta Mata , Manimala Mata, Kakoli Mata, Durga Mata , Anjali Mata, Roompa Mata , Jyotsna Mata , Sonali Mata , Bharti

Mata, Deepali Mata, Madhavi Mata, Sumitra Mata, Minati Mata, Suparna Mata and Arpana Mata were injured.

मनिमाला माता को दो लेडीज़ पुलिस ने उनके बाल पकड़कर निर्दयतापूर्वक पीटा। जब कुछ बहनों ने पुलिस को गीता श्लोक बताकर जवाब दिए तो पुलिस और CWC के अधिकारियों ने उनका मजाक उड़ाया व आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सदस्यों की धार्मिक आस्था के बारे में अपमानास्पद शब्दों का प्रयोग किया।

Two Lady Polic have beaten Manila Mata severely and mercilessly while holding and dragging her hair causing severe injuries. When some sisters have tried to reply by narrating some Gita Shlokas relating to the Peace, the Police and the CWC Officers have made fun of the Knowledge of Gita imparted by Supreme God Father and use abusive language about the religious beliefs of the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya members and defamed them.

बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष व सदस्यों को पूरे विद्यालय में एक भी नाबालिग कन्या नहीं मिली; लेकिन अपने नापाक इरादों को पूरा करने के लिए CWC ने विद्या चौधरी को नाबालिग करार देते हुए सुकन्या होम भेजने का आदेश दे दिया।

No minor girl was traced in the Vidyalaya despite search by the police assisted by Chairman , CWC. But to fulfil their impure allegations, they asserted one girl Vidya Chaudary as minor and passed orders to send to Sukanya Home.

विद्या चौधरी ने अपने स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट की फोटोकॉपी दिखाते हुए अपने वयस्क होने का प्रमाण CWC के अध्यक्ष को प्रस्तुत किया और विद्या के पिताजी अशोक कुमार जो कि मुंबई के निवासी हैं, उन्होंने फोन करके CWC के चेयरमैन को बताया कि उनकी कन्या की उम्र 18 साल से ज्यादा है और वह अपनी स्वेच्छा से व हमारी अनुमति से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में रह रही है और दो-तीन दिन के अन्दर वह खुद विद्या का स्कूल लिविंग सर्टिफिकेट लेकर कलकत्ता पहुँचेंगे।

The girl Vidya Chaudary has shown a copy of her Schoole leaving Certificate with proof that she is a major. Apart from this, Mr. Ashok Kumar , the father of Vidya Chaudary, resident of Mumbai has over telephone intimated the Chairman of the CWC that her daughter is above 18 years and she is living at her will and with their permission at Adhyatmik Vishwa Vidyalaya. Mr . Ashok Kumar has affirmed that he will be reaching Calcutta along with the original Schoole leaving Certificate within two three days.

अशोक कुमार जी ने CWC के अध्यक्ष को यह भी अनुरोध किया कि विद्या को किसी सुकन्या होम में उसकी इच्छा के विरुद्ध न भेजा जाए; लेकिन CWC के अध्यक्ष ने मनमानी करते हुए व अपने पद का दुरुपयोग करते हुए विद्या को विद्या और उसके मात-पिता की इच्छा के विरुद्ध सुकर्मा सुकन्या होम भेजने का आदेश दे दिया।

The father of the girl Vidya Chaudary, Mr. Ahok Kumar has further requested the Chairman of the CWC not to send her daughter to Sukanya home. The Chairman of the CWC has paid a deaf ear to his request and disregarding his own Status, and at his own wills and fancies ordered that Vidya Chaudary be sent to Sukanya Home. This order was barely against the wish request of Vidya and her parents.

पुलिस और CWC के चेयरमैन के अत्याचार से प्रक्षोभित हुए आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सदस्यों ने एक जुट होकर चेयरमैन के इस निर्णय का कड़ा विरोध किया जिस कारण मजबूरी से CWC चेयरमैन को विद्या को उसके माता-पिता आने तक आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में रहने की अनुमति देनी पड़ी।

Pained by the indiscriminate acts of the Police and the Chairman of the CWC, the members of the "AVV family" have in one voice opposed the attitude and decision of the Chairman and the Chairman was inevitably compelled to withdraw his order and allow Vidya at Adhyatmik Vishwa Vidyalaya till her parents reach there.

उक्त घटना के बाद पार्वती मण्डल की माँ असामाजिक तत्वों को व अन्य सामाजिक संस्थाओं को सॉल्ट लेक स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सेवाकेंद्र के बाहर इकट्ठा कर हुड़दंग मचाने लगी। उनमें से कुछ लोग आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की बहनों व अन्य सदस्यों के लिए गन्दी गाली-गलौज का प्रयोग कर रहे थे व कई लोग तो सेवाकेंद्र में रहने वाली बहनों के कमरों में पत्थर फेंककर मार रहे थे।

Subsequent to the above incident, the mother of Parbati Mandal started creating mayhem along with the anti-social elements and other miscellaneous organizations outside the premises of Adhyatmik Vishwa Vidyalaya of Salt Lake. Some of them started to shout with abusive language in respect of resident sisters and mothers and resorted to pelting stones towards the rooms of sisters and mothers.

विद्यालय के भाई लोग अगर विद्यालय में आध्यात्मिक क्लास अटेंड करने या किसी अन्य काम से जाते थे, तो असामाजिक तत्वों द्वारा उनकी मार-पिटाई भी होने लगी। यहाँ तक कि आम जनता आमादा होने के कारण सेवाकेंद्र की बहनों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था और कई दिनों तक बाहर से आने वाला राशन-पानी भी बंद हो गया था।

They started beating, stoning and harassing the brothers of the "AVV family" visiting the vidyalaya for yoga classes and spiritual discourses. The situation to the extent that the sisters and mothers were restricted to their rooms and could not move out even for their medical needs for quite some time as the general public around the Salt Lake area turned violent in the backdrop of these repeated incidents. Even they could not fetch their daily food needs for some time.

जिसकी वजह से उपरोक्त घटनाओं व परिस्थितियों को आध्यात्मिक विश्वविद्यालय सेवाकेंद्र की बहनें पुलिस प्रशासन व न्यायपालिका के सामने तुरंत रख नहीं पा रही थीं।

And for the reason the sisters of Adhyatmik Vishwa Vidyalaya were unable to bring their difficulties resulting out of these frequent violent incidents to the notice of the Court immediately.

कुछ मीडिया चैनल्स व न्यूज़ पेपर चीप पब्लिसिटी के लिए व टी.आर.पी. बढ़ाने के लिए सच्चाई को छुपाकर मनगढ़ंत कहानियाँ व झूठे रिपोर्ट्स को प्रकाशित व प्रदर्शित कर रहे थे। इन सबका फायदा पॉलिटिकल पार्टीज उठाने लगी और विभिन्न राजकीय पक्ष जनता से वोट बटोरने के लिए पुलिस प्रशासन के ऊपर विद्यालय के विरुद्ध कार्य करने के लिए दबाव बनाने लगे व जनता की सहानुभूति प्राप्त करने की कोशिश करने लगे।

Some news media were publishing their own authored stories while setting aside the truth; for the sake of their cheap publicity tactics and increased T.R.Ps. The political leaders of various parties started gaining political benefits and for their voting benefits they started provoking the Government authorities against the Vidyalaya. And they were trying to get the sympathies of the Public for their political advantages.

विद्या बहन के पिता एक साधारण मजदूर होने के कारण पैसे जुटाकर कलकत्ता आने के लिए CWC के चेयरमैन से तीन दिन का समय माँगा था; लेकिन चेयरमैन उनकी विनती को ठुकराते हुए 24 घंटे के अंदर विद्या को ओरिजिनल लिविंग सर्टिफिकेट सहित उनके सामने पेश करने के लिए दबाव बनाने लगे।

The father of Vidya Bahan being a worker on daily wages required three days' time for making up money ; but the Chairman of the CWC denied the request and had only 24 hours' time to produce the original School Leaving Certificate by him.

असामाजिक तत्वों ने पुलिस से मिलीभगत कर 19.07.2015 की घटना को लेकर विद्यालय की महिला सदस्यों के खिलाफ IPC की धारा 186, 353, 324, 34 के अंतर्गत पुलिस को मार-पीट करने व पुलिस

के काम में बाधा डालने का झूठा केस (F.I.R. No. 78/2015) दिनांक 19.07.2015 को बिधान नगर ईस्ट थाने में दर्ज किया और विद्यालय के ऊपर दबाव बनाने के लिए उस फर्जी केस में दिनांक 21.07.2015 को कुछ पुलिस कर्मी विद्यालय में आकर कोई भी कानूनी नियमों का पालन किए बगैर विद्यालय में उपस्थित 7 स्टूडेंट्स- सुभास दास, अजय पाल, विनय राय, बिकास अग्रवाल, सपन मण्डल, शिवशंकर मण्डल आदि को अरेस्ट कर लिया। यहाँ तक कि इसकी जानकारी पुलिस ने न विद्यालय के अन्य सदस्यों को दी, न उनके घरवालों को दी। यहाँ तक कि पुलिस उनको कहाँ लेकर जा रही है यह भी नहीं बताया, जिससे व्यथित होकर ज्योत्सना मण्डल, सुपर्णा राय व दीपा दास ने उसी दिन रात को 12:30 बजे पुलिस के खिलाफ उनके पति को गैर कानूनी तरीके से बंधक बनाने की शिकायत वेस्ट बंगाल मानव अधिकार आयोग व राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष दर्ज की।

The Police in hands with the anti-social elements has made a case under sections 186, 353, 324, 34 (IPC) against the ladies of the Adhyatmik Vidyalaya on the pretext that they had beaten the Police and caused obstruction in the duties of the Police and registered a faulty F.I.R (No.78 / 2015) on 19-07-2015 in the Vidhan Nagar Police Station. And to strength their false case, the Police has again visited the Vidyalaya and arrested 7 brothers of the "AVV family" overlooking all the legal formalities which deserved to be observed. The 7 brothers are Subhas Das, Ajay Pal, Vinay Ray, Vikas Agarwal, Sapan Mandal, Shiv Shankar Mandal and another brother. The Police neither informed anyone in the Vidyalaya nor in their respective homes. Even they did not intimate to which Police Station they were being taken to. Having pained with the irresponsible and illegal act of the Police, the family members Jyotsna Mandal, Suparna Roy and Deepa Das have registered a complaint with the Human Rights Commission of West Bengal alleging the illegal detention of their respective husbands by the Police at 12.30 AM early odd hour of the in the night on the next day.

दूसरी तरफ CWC के चेयरमैन ने अपनी मनमानी जारी ही रखी। कभी विद्या को रात को 7 बजे पुलिस स्टेशन आकर मिलने के लिए दबाव बनाया तो कभी चीप पब्लिसिटी हासिल करने के लिए न्यूज़ चैनल्स व प्रिंट मीडिया को झूठे बयान दिए।

On the other hand, the Chairman CWC has at his wills and fancies calls the young girl Vidya Bahan at 7 PM in the night and he also resorted to give false statements in the news channels and other News Media.

दिनांक 22.07.2015 को विद्या के पिता अशोक कुमार व माँ शीला देवी कलकत्ता आकर CWC के चेयरमैन से मिले व उन्होंने अपने आई.डी. प्रूफ दिखाते हुए विद्या के बालिगपने के ओरिजिनल लिविंग

सर्टिफिकेट व अन्य प्रूफ दिखाए; लेकिन उसके बावजूद CWC के चेयरमैन ने विद्या को बालिग करार देते हुए अपनी मर्ज़ी से रहने का आदेश जारी नहीं किया। विद्या के पिता अशोक कुमार व माँ शीला देवी 24.07.2015 को फिर से CWC के चेयरमैन से मिले व उन्होंने विद्या को सुकन्या होम भेजने के आदेश को वापिस लेने की गुहार लगाई;

As promised; the father of the girl Ashok Kumara and her mother Sheela Devi have reported before the Chairman of the CWC and shown the original School Leaving Certificate of Vidya along with their own identity. The Chairman did not withdraw his orders despite the appeal of the parents of Vidya again on 24-07-2015.

लेकिन CWC के चेयरमैन ने जान-बूझकर उस दिन भी कोई आदेश जारी नहीं किया व ढेर सारे मीडिया चैनल्स वालों को अपने ऑफिस बुलाकर चीप पब्लिसिटी के लिए मीडिया में झूठे बयान दिए। विद्या के पिता अशोक कुमार ने देखा कि CWC का चेयरमैन अरविन्द दास गुप्ता ऑफिस में बैठकर बच्चों के व उनके माता-पिता के सामने खुले आम सिगरेट फूँकता रहता है व हर एक व्यक्ति से हुकुमशाह के रूप में पेश आता है।

Moreover the Chairman of the CWC made the parents of Vidya Bahan wait in his office for long; without withdrawing the orders passed earlier in respect of Vidya Bahan; he asked the News Channel operators to his office and continued to give false statements while smoking cigarettes in his own office.

अशोक कुमार व शीला देवी सन 1999 से ही आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के सक्रिय सदस्य हैं। CWC के चेयरमैन ने विद्या के माता-पिता को यहाँ तक धमकाया कि विद्या के बालिग होने के बावजूद हम उसे आध्यात्मिक विश्वविद्यालय, सॉल्ट लेक में रहने की इजाज़त नहीं देंगे और यह भी धमकाया कि वह ब्रह्माकुमारी संस्था के साथ मिलकर सॉल्ट लेक स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय को 5 दिन के अंदर बर्बाद कर छोड़ेंगे और विद्या के माता-पिता को यह भी चेतावनी दी कि वे अगर विद्या को मुंबई वापस लेकर नहीं गए तो उनके साथ कुछ भी अनहोनी/अनिष्ट हो सकता है।

Ashok Kumar and his wife Sheela Devi are the active family members of the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya since 1999. The chairman of the CWC has threatened them that his would not allow Vidya Bahan to stay in the "AVV" even though she is a major. He has also threatened that he will destroy the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya of Salt Lake totally joining his hands with Brahmakumaris within 5 days. He has further warned the parents of Vidya Bahan that any

untoward to any extent will definitely happen if they do no accede to his order and take away Vidya Bahan along with them to Bombay.

विद्या के पिता अशोक कुमार ने CWC के चेयरमैन अरविन्द दास गुप्ता की इन हरकतों को देखकर यह ताड़ लिया कि दाल में जरूर कुछ काला है और CWC का चेयरमैन आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के कुछ विरोधी ग्रुप से मिलीभगत कर अपने पद व अधिकारों का दुरुपयोग व मनमानी कर रहे हैं। CWC के चेयरमैन को मीडिया के सामने अपने दिए गए झूठे बयानों पर कायम रहना ही था, इसलिए उन्होंने अपने आदेश दिनांक 25.07.2015 में यह लिख दिया कि विद्या वयस्क है लेकिन Neuro-Psychetric patient है जिसकी वजह से उसकी कस्टडी उसके माता-पिता को सौंपी जाती है।

Observing the vindictive and unstable attitude of the Chairman of the CWC; Mr. Ashok Kumar, the father of the girl Vidya Bahan has come to a conclusion that he has something wrong with him and might have joined hands with some enemies of the Adhyatmik Vidyalaya and misusing his powers and position . To save his actions to some extent; he has again given statements before the News Media that even though Vidya Bahan was a major, she was a Neuro psychiatric patient and hence she is to be handed over to her parents.

CWC के चेयरमैन के उक्त अवैध आदेश से व्यथित होकर अशोक कुमार चौधरी ने CWC के चेयरमैन अरविन्द दास गुप्ता व डोलादे मित्रा को लम्बा-चौड़ा Legal notice भेज दिया और दिनांक 01.08.2015 को वेस्ट बंगाल सरकार के चीफ सेक्रेटरी को उक्त Legal notice की प्रति संलग्न करते हुए धारा 197 Cr.P.C. के अंतर्गत CWC के चेयरमैन अरविंद दास गुप्ता व मेम्बर डोलादे मित्रा के खिलाफ क्रिमिनल प्रोसीडिंग चालू करने हेतु sanction जारी करने की गुहार लगाई।

Aggrieved by the illegal and anti-constitutional orders by the Chairman of the CWC, Mr Ashok Kumar Chaudary had issued a legal notice to Mr. Aravind Das Gupta, Chairman of the CWC and Doade Mitra , member of CWC on 01-08-2015. A copy of the legal notice was endorsed to The Chief Secretary of the Government of Bengal with an appeal for sanction to proceed against Mr. Aravind Das Gupta, Chairman of the CWC and Doade Mitra under section 197 CrPc.

यहाँ तक कि विद्या उर्फ दिव्या चौधरी, अशोक कुमार व शीला चौधरी तीनों ने CWC के चेयरमैन के 25.07.2015 के आदेश के विरुद्ध एक रिट याचिका (रिट पिटिशन नं. 21703 (w) of 2015) कलकत्ता हाई कोर्ट के सामने पेश की जिसमें CWC के चेयरमैन अरबिंद दास गुप्ता व डोलादे मित्रा से

याचिकाकर्ताओं को उत्पीड़ित करना, बदनाम करना, धमकाना व उनके साथ दुर्व्यवहार करना इस अपराध में 10 लाख रुपये मुआवज़े की माँग की।

Inevitably, Vidya alias Divya Chaudary and her parents have filed a writ petition { 21703 (w) of 2015} with the High Court of Calcutta against the orders passed by the Chairman, CWC and simultaneously claiming a compensation of Rs. 10 lakhs from the Chairman , CWC, Mr. Arvind Das Gupta and Dolade Mitra for causing harassment , defamation, threatening and misbehaving with the young girl Vidya Bahan and her parents.

CWC व पुलिस द्वारा विद्यालय पर अवैध छापा मारकर विद्यालय के सदस्यों के साथ मार-पिटाई करना, उनको उत्पीड़ित करना, दुर्व्यवहार करना, धमकाना, इन चीज़ों से व्यथित होकर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के लगभग 46 कन्या-माता व भाइयों ने दिनांक 19.07.2015 को पुलिस व CWC के चेयरमैन के खिलाफ D.C.P., Bidhan Nagar, Commissioner of Police, Kolkata, DGP, West Bengal, DIG, Kolkata, IG, Kolkata, Chairman, National Human Right Commission, Delhi, Chairman, National Commission of Women, Delhi, West Bengal Women commission, Kolkata को शिकायत पत्र भेजा।

Aggrieved by the vindictive attitude of the Chairman of the CWC and illegal search proceedings of the Police who have caused physical and mental harassment, misbehaving, threatening, 46 spiritual family members, girls, mothers, and brothers have lodged written complaint on 19-07-2015 against the acts of the Police and the Chairman of the CWC with D.C.P., Bidhan Nagar, Commissioner of Police, Kolkata, DGP, West Bengal, DIG, Kolkata, IG, Kolkata, Chairman, National Human Right Commission, Delhi, Chairman, National Commission of Women, Delhi, West Bengal Women commission, Kolkata.

इधर आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के बाहर विशाखा मण्डल व उसके सहयोगी अन्य असामाजिक तत्वों का कहर बढ़ता ही जा रहा था। जिससे प्रताड़ित होकर आध्यात्मिक शिक्षिका रुचि गुप्ता ने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की तरफ से Cr.P.C. की धारा 144(2) के अंतर्गत विशाखा मण्डल, पाम्पा दास, नमिता भट्टाचार्या, नीतू मण्डल के खिलाफ Executive Magistrate, बिधान नगर के समक्ष एक प्रार्थना पत्र पेश किया

On the other hand the violent disturbances at the premises of the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, situated at Salt Lake, Calcutta by Vishakha Mandal by Vishakha Mandal and her associates are continued restlessly. When the violence caused was crossing the limits of patience, Sister Ruchi Gupta, a spiritual teacher

of Adhyatmik Vidyalaya has lodged a complaint with the Executive Magistrate, Vidhan Nagar against Vishakha Mandal, Pampa Das, Namita Bhattacharya, Nitu Mandal under section 144 (2) Crpc.

जिसमें प्रजापिता ब्रह्माकुमारी रुचि गुप्ता ने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के परिसर में विरोधी पक्ष का अवैध आवागमन, संगठित रूप से इकट्ठा होना, चिल्लाना, नारेबाजी करना व अन्य कार्यों के ऊपर पाबंदी लगाने के लिए बिधान नगर पुलिस थाने के इंस्पेक्टर इंचार्ज को निर्देश देने की प्रार्थना की और विद्यालय में रहने वालों को उचित सुरक्षा प्रदान करने की भी माँग की गई, जिसमें Executive magistrate साहब ने तथ्यों एवं परिस्थितियों का अवलोकन करते हुए आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के निवासियों को इंटरिम प्रोटेक्शन देने के निर्देश बिधान नगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर इंचार्ज को दिए।

The complaint has within it details as to the as to how the group of Vishakha Mandal are resorting to frequent gathering , shouting, raising slogans, restricting the resident girls and mothers from in and out of the "AVV" at the premises of the Adhyatmik Vidyalaya. The honorable Executive magistrate was requested to pass orders on the Inspector in Charge to provide Police Protection. Looking at the circumstances, the Executive Magistrate has passed orders on the Inspector of the Vidhan Nagar Police Station to provide protection for the "AVV" members.

विद्यालय के वरिष्ठ भ्राता रवीन्द्र नाथ दास को भी असामाजिक तत्वों ने लोकल पुलिस से मिलीभगत कर पुलिस के काम में बाधा डालने व हाथापाई करने के मामले में बाद में शामिल कर लिया, यहाँ तक कि पुलिस रोज़ाना विद्यालय में आकर रवीन्द्र नाथ दास को अरेस्ट करने की धमकी देने लगी। जिससे व्यथित होकर रवीन्द्र नाथ दास ने बारासात कोर्ट के सेशन जज द्वारा अग्रिम जमानत प्राप्त की।

The name of senior brother Mr. Ravindra Nath Das was also added in the case filed by the police in hands with evil forces in charge of attacking the police and causing obstruction in the duties of Police. The Police used to threaten Mr Rvindra Nath Das regularly with arrest. Mr. Ravindra Nath Das was forced to obtain an interim bail from the Sessions Judge of the Barasat Court.

पार्बती मण्डल व काजोल मण्डल द्वारा दाखिल किए गए रिविजन पिटिशन कलकत्ता हाई कार्ट में विचाराधीन होने के बावजूद विशाखा मण्डल ने दिनांक 22.09.2015 को एक हेबिअस कार्पस रिट पिटिशन (WP No. 25148(w)/2015) कलकत्ता हाई कोर्ट में पेश की। जिसमें कलकत्ता हाई कोर्ट में पार्बती मण्डल के बयान विडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा दर्ज करने के लिए रजिस्ट्रार जनरल को आदेश दिए।

Even the writ petition by Parbati Mandal and Kajol Mandal was sub judice with the Calcutta High Court, Vishakha Mandal has filed a habeas corpus petition (WP. No. 25148 (w) of 2015) in the same Calcutta High Court. The Registrar General was ordered by the Calcutta High Court to resister the statement from Parbati Mandal over video conference.

पार्बती की तो जीत हो ही गई और शरारती तत्वों की बोलती भी बंद हो गई।

Victory for Parbati and a full stop for the anti-social elements.

16.11.2015
Ct.No.08
Sl. No.01
m.d.

W.P. 25148 (W) of 2015
Smt. Bishakha Mondal
- Vs-
The State of West Bengal and Others

Mr. Suvanil Chakraborty

... for the petitioner

Mr. Sabir Ahamed

... for the State

Mr. G. N. Prasad,
Mr. Amol Kokane

... for the respondent Nos. 5 & 6

By this writ petition, the petitioner seeks issuance of a writ of habeas corpus for production of her daughter. An FIR was filed in May, 2015 alleging that her daughter Parbati had been lured by the private respondent No.5 and is at present residing with the respondent No.6 which is an organisation allegedly engaged in trafficking. The said has been countered by counsel for the private respondent nos. 5 & 6 on the ground that the daughter of the writ petitioner is a major and voluntarily has chosen to reside in the said Ashram. C.R.R. 2077 of 2015 was also filed in June, 2015, much prior to this writ petition being filed for quashing of the FIR. Therefore, this application be dismissed.

Intimation of the date and time of video conferencing be decided by the Registrar Generals, of both Calcutta and Delhi High Courts. Intimation in this regard be also given to the petitioner to enable the presence of the petitioner at the time of such video conferencing for the purpose of identifying Parbati.

Let a copy of the order passed this day be communicated by the Registrar General, High Court, Calcutta to his counterpart at Delhi.

Matter to appear in the list fortnight hence.

Certified copy of this order, if applied for, be given to the parties on priority basis upon compliance of all formalities.

(Patherya, J.)

(Asha Arora, J.)